उत्कृष्टता पुरस्कार 2017 - सर्वोत्तम निर्यात ऋण एजेंसी : ईसीजीसी

AWARDS | 1 August 2017

ईसीजीसी(पूर्व में भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम लिमिटेड), भारत की उच्च सम्मानित निर्यात ऋण एजेंसी की, हीरक जयंती विजय , एक सुखद संयोग है। जिस माह ईसीजीसी ने अपने परिचालन के 60वें वर्ष को पूरा किया उस माह इस प्रचलित श्रेणी के चयन के लिए हुए मतदान में यह सर्वप्रमुख रहा। ईसीजीसी की टैगलाइन " आप निर्यातों पर ध्यान केन्द्रित करें , हम जोखिमों से आपकी रक्षा करेंगे" है तथा हमने पिछले छह दशकों से यही कार्य किया है।

श्रीमती गीता मुरलीधर , अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक का कहना है कि " पिछले 60 वर्षों के दौरान हमने भारत में हमारी शाखाओं का एक बड़े सेवातन्त्र को निर्मित किया है जो हमें देश के प्रत्येक कोने में स्थित निर्यातक तक पहुँचने में सहायता करता हैं।

भारत में 58 कार्यालयों के साथ , ईसीजीसी देश के निर्यातों का समर्थन करने की अपनी भूमिका को विशेष गंभीरता से लेता है। हमारे कई ई सी ए साथियों की तरह यह सीधे ऋण प्रदान करने का कार्य नहीं करता तथा यह कार्य इसने बैंकों पर छोड़ दिया है एवं यह बीमा तथा गारंटियाँ प्रदान करने पर अपना ध्यान केन्द्रित करता है। यह वाणिज्यिक तथा राजनीतिक जोखिमों के लिए विदेशी ख़रीदारों द्वारा संभावित गैर अदायगी के जोखिमों से निर्यातकों को तथा निर्यातक ग्राहकों को ऋण प्रदान करने में होने वाले संभावित निर्यात ऋण जोखिमों से बैंकों को बीमा रक्षा प्रदान करता है ।

ईसीजीसी प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से 20,000 निर्यातकों की बीमसंगत आवश्यकताओं को पूरा करता है जिसमें से लगभग 85% मध्यम तथा दीर्घावधिक उपक्रम (एमएसएमई) निर्यातक हैं।

मुरलीधर का कहना है कि व्यापक उत्पादों के साथ " उत्पाद नवोन्मेष तथा उत्पाद प्रस्ताव " में ईसीजीसी का कोई मुक़ाबला नहीं है। उन्होने कहा कि अल्पावधि कारोबार के अधीन निर्यातकों के लिए 19 उत्पाद तथा बैंकों के लिए 11 तथा एम एल टी कारोबार (मध्यम तथा दीर्घावधि) के लिए दर्जन भर उत्पाद उपलब्ध हैं।

वर्ष 2016-17 में कुल संरक्षित कारोबार 40.8 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा जो कुल भारतीय निर्यातों के लगभग 16% है। वार्षिक तौर पर लगभग 120,000 ख़रीदारों पर जोखिम बीमांकन किया जाता है। पिछले पाँच वर्षों के दौरान ईसीजीसी को भारत सरकार से 70 मिलियन अमरीकी डॉलर की पूंजी प्राप्त हुई। इसी अवधि के दौरान इसने करों तथा लाभांशों के रूप में 153 मिलियन अमरीकी डॉलर वापस लौटाए।

मुरलीधर का कहना है कि " अतः ईसीजीसी , भारत में निर्यातकों तथा बैंकरों का विश्वसनीय भागीदार होते हुए निर्यात संवर्धन की अपनी भूमिका को सुनिश्चित करने वाला वाणिज्यिक रूप से कार्यरत एक अनोखा ई सी ए है।

रनर्स अप : यूलर हर्म्स तथा यू के एक्सपोर्ट फाइनान्स (15 ई सी ए का नामांकन किया गया)

गीता मुरलीधर , अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक , ईसीजीसी का संदेश

" ईसीजीसी पिछले 60 वर्षों से निर्यातकों के लिए बैंक से वित्त प्राप्त करने में सुविधा प्रदान करने वाला सर्व प्रथम संगठन रहा है तथा इसने विभिन्न आर्थिक स्थितियों में बुरे वक्त के दौरान उनके लिए अल्पावधि तथा एम एल टी वित्त के जरिये निधियों की उपलब्धता सुनिश्चित की है। इस संबंध में उत्पाद गुणवतातात्मक रहे कि पिछले छह दशकों से अभी भी वे चलन में हैं। हम काफी सौभाग्यशाली हैं कि लगभग 40 बैंक हमारे ग्राहक हैं , जिनकी देश के निर्यात ऋण वितरण में हिस्सेदारी लगभग 65% है। हमने बैंकों के लगातार बदलते हुए मांगों को पूरा करने के लिए नियमित नवोन्मेशों तथा संबन्धित पहलों को सुनिश्चित किया है।

ई सी ए के कारोबार शृंखला का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जोखिमों के बीमांकिक मूल्यांकनों तथा संबन्धित मूल्य प्रलनी के साथ परिचालन वाणिज्यिक आधार पर परिचालित होते हैं। पुनर्बीमाकर्ताओं के संघ द्वारा संगठन की प्रणालियों की यह कहते हुए प्रशंसा की गई है कि ईसीजीसी द्वारा अपनाए जाने वाले बीमांकन मानक काफी व्यापक जो कि अनुकरणीय हैं।

हम अंतरराष्ट्रिय व्यापार के एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं जो कि संरक्षणवाद तथा आर्थिक स्थिरता पर बढ़ती हुई शंकाओं के बीच उपलब्ध अवसरों में व्यापक बदलाव की स्थिति में है। वैश्विक विश्व, इसके द्वारा प्रदान किए जाने वाले अवसरों तथा हमारे समक्ष आने वाली चुनौतियों में , हमारी अर्थव्यवस्था के निष्पादन में, निर्यातकों का महत्वपूर्ण योगदान है।

हमारे निर्यातकों को अस्थिर बाज़ार स्थिति से उबारने के लिए ईसीजीसी ने, राजनीतिक तथा वाणिज्यिक परिदृश्य में होने वाले परिवर्तनों पर तुरंत कार्यवाही के लिए एक दूरदर्शितापूर्ण बीमांकन नीति तथा व्यवस्थित प्रक्रियाओं तथा सॉफ्टवेयर के विकास पर ध्यान केन्द्रित किया है ताकि हमारी सेवाओं का विस्तार सभी की पहुँच तक तथा प्रभावपूर्ण हो ।

ईसीजीसी निर्यात संवर्धन के लिए सदैव तत्पर है। यह एक सुखद संयोग है कि हमें यह पुरस्कार हमारे परिचलनों के 60वें वर्ष के दौरान प्राप्त हुआ है। यह पुरस्कार, अंतरराष्ट्रिय व्यापार का समर्थन करते हुए, भारतीय निर्यातकों तथा बैंकरों को सेवा प्रदान करने के ईसीजीसी के विज़न तथा मिशन की गवाही है।“